भंवरा मिलकर मौज मना,
जिंदगी बार-बार नहीं आवे।।

प्रीत करे तो ऐसी कर्जे,
जैसे लौटा डोर,
गलो फसावे आपणो,
लावे नीर चकोर,
भँवरा मिलकर मौज मना,
जिंदगी बार-बार नहीं आवे।।

प्रीत करे तो ऐसी मत करजे,
जैसे झाड़ी बोर,
ऊपर लाली प्रेम की,
भीतर बड़ा कठोर,
भँवरा मिलकर मौज मना,
जिंदगी बार-बार नहीं आवे।।

प्रीत करे तो भंवरा ऐसी करना,
जैसे रुई कपास,
जीवित तन ने ढक रयो,
मरिया कफन हो जाए,
भँवरा मिलकर मौज मना,
जिंदगी बार-बार नहीं आवे।।

प्रीत करे तो ऐसी मत करना,
जैसे पेड़ खजूर,
पंछी को छाया नहीं,
फल लागे अति दूर,
भँवरा मिलकर मौज मना,
जिंदगी बार-बार नहीं आवे।।

कहां तक कबीर सुनो भाई साधो,
यह पद है निरवाना,
इन पदा री करे खोजना,
सत अमरापुर जाए,
भँवरा मिलकर मौज मना,
जिंदगी बार-बार नहीं आवे।।

भंवरा मिलकर मौज मना,
जिंदगी बार-बार नहीं आवे।।

गायक दिनेश पुरी गोस्वामी जी।
प्रेषक विनोद वैष्णव।
9414240116

Source: https://www.bharattemples.com/bhanwara-milkar-mauj-mana/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw